

Code No.: BFGA-04

Total No. of Questions : 9

Total No. of Printed Pages : 2

स्नातकपरीक्षा:- २०१५
बि.ए. - विद्वन्मध्यमा - प्रथमवर्षम्
शास्त्रम् - सामान्यपत्रिका
भाग: - ३, पत्रिका - ६
विषय: - आन्वयिकम्

दिनाङ्कः - 9-4-2015

गरिष्ठाङ्काः - १००

समयः - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.

Max. Marks - 100

भाग: (अ) - ज्योतिषबालबोधिनी

- I. पञ्चानाम् एकेन वाक्येन उत्तरत।** **5 × 1 = 5**
१. गुरोः मूलत्रिकोणस्थानं किम्?
 २. सूर्यपुत्रस्य नीचस्थानं नीचांशकश्च कः?
 ३. सप्तमाधिपः चन्द्रः भवति तदा किं लग्नम्?
 ४. शनेः दृष्टिस्थानानि कानि?
 ५. नित्यनक्षत्रं मूला, जन्मभं चित्रा, अत्र ताराबलं किम्?
 ६. पापग्रहाः के?
- II. योजयत।** **5 × 1 = 5**
- | | |
|-------------|--------------|
| १. प्रीतिः | १. योगः |
| २. मन्यथः | २. चन्द्रः |
| ३. कर्काटकः | ३. संवत्सरः |
| ४. रेवती | ४. गण्डान्तः |
| ५. क्षेमः | ५. तारा |
| | ६. सम्पत् |
- III. टिप्पणीः लिखत। (द्वयोरेव)** **2 × 4 = 8**
१. ग्रहाणामुच्चस्थानानि
 २. करणानि
 ३. ग्रहाः

Code No.: BFGA-04

- IV. द्वाभ्यामुत्तरं लिखत।** **2 × 5 = 10**
१. ग्रहाणां दृष्टिविषयं स्पष्टयत।
 २. दशावर्षाणि नक्षत्रेभ्यः कथं ज्ञायते इति निरूपयत।
 ३. विवाहयोग्यमासाः नक्षत्राणि च कानि।
- V. एकस्याशयं प्रकटीकुरुत।** **1 × 8 = 8**
१. दिवसस्य चतुर्विंश कालहोराः प्रकीर्तिताः।
 २. दानेनानेन सर्वेषां तारादोषो न विद्यते।
- VI. व्याख्यात (द्वयोरेव)।** **2 × 12 = 24**
१. राश्चाधिपतीन् क्रमेण विलिखत।
 २. अमृतसिद्धियोग-दग्धयोग विषये लिखत।
- भागः (क) - बृहज्जातकम् (१-२ अध्यायाः)**
- VII. द्वौ पूरयत।** **2 × 4 = 8**
१. कालात्मा _____ सहस्रांशुजः।
 २. निशिशिशि _____ वीर्यवन्तः।
 ३. होरास्वामि _____ त्रिकोणं च तत्।
- VIII. टिप्पणीरारचयत। (त्रयाणां)** **3 × 4 = 12**
१. ग्रहणामुच्चनीचस्थानानि।
 २. वर्गोत्तमांशाः मूलत्रिकोणस्थानानि च।
 ३. बाह्याभ्यन्तरभावानां नामानि।
 ४. राशीनां वर्णाः।
- IX. व्याख्यात। (द्वयोरेव)** **2 × 10 = 20**
१. षड्वर्गान् निरूपयत।
 २. ग्रहाणां नित्रामित्रत्वविषयात् सूचयत।
 ३. ग्रहाणां षड्बलानि विलिख्य तेषु द्वयं व्याख्यात।